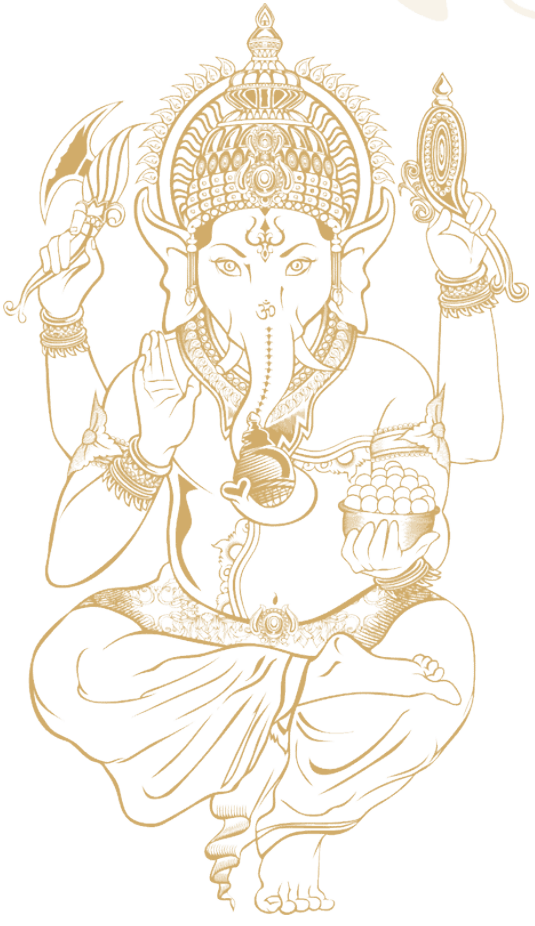

Nishant Mahajan

Tanya Mahajan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119139802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/03/1994	जन्म तिथि	30/08/1995
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:48:00	जन्म समय	12:38:00 घंटे
घटी 20:56:36	जन्म समय(घटी)	16:33:46 घटी
India	देश	India
Pathankot	स्थान	Gurdaspur
32:16:00 उत्तर	अक्षांश	32:04:00 उत्तर
75:43:00 पूर्व	रेखांश	75:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:08	स्थानिक संस्कार	-00:28:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:25:21	सूर्योदय	06:01:41
18:41:38	सूर्यास्त	18:55:35
23:46:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 10मा 5दि	22:04:25	कर्क	लग्न	वृश्चि	05:40:28	मंगल 1वर्ष 11मा 11दि
चन्द्र	10:43:02	मीन	सूर्य	सिंह	12:39:34	गुरु
29/01/2021	11:43:02	सिंह	चंद्र	तुला	02:57:27	11/08/2015
29/01/2031	20:18:30	कुंभ	मंगल	तुला	00:57:48	11/08/2031
चन्द्र 29/11/2021	13:53:52	कुंभ	बुध	कन्या	07:47:41	गुरु 28/09/2017
मंगल 30/06/2022	19:55:41	तुला व	गुरु	वृश्चि	12:52:14	शनि 10/04/2020
राहु 30/12/2023	27:03:23	मीन	शुक्र	सिंह	15:12:25	बुध 17/07/2022
गुरु 30/04/2025	12:48:58	कुंभ	शनि व	कुंभ	28:41:51	केतु 23/06/2023
शनि 29/11/2026	01:15:24	वृश्चि व	राहु व	तुला	03:45:47	शुक्र 21/02/2026
बुध 30/04/2028	01:15:24	वृष व	केतु व	मेष	03:45:47	सूर्य 10/12/2026
केतु 29/11/2028	02:00:35	मक	हर्ष व	मक	03:16:30	चन्द्र 10/04/2028
शुक्र 30/07/2030	29:18:19	धनु	नेप व	धनु	29:18:36	मंगल 17/03/2029
सूर्य 29/01/2031	04:07:46	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	04:08:56	राहु 11/08/2031

लग्न-चलित

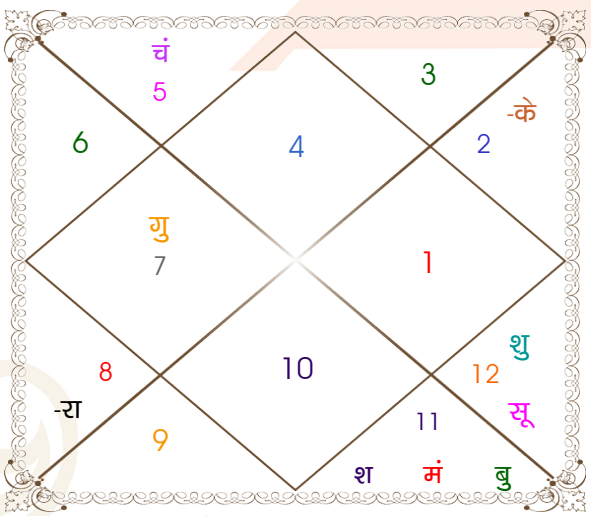

लग्न-चलित

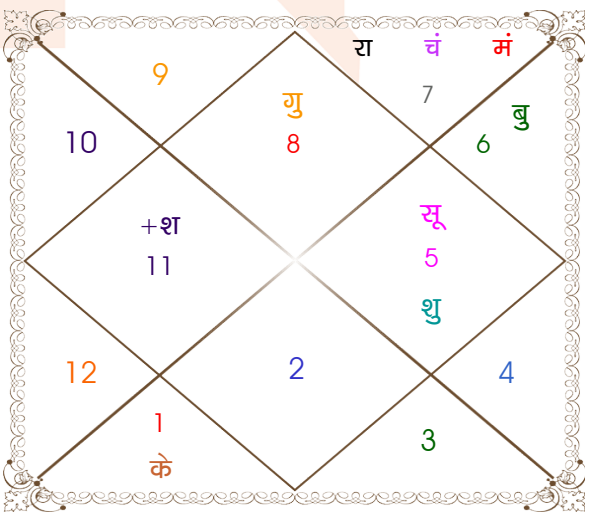

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

छर्पोंदज डींरंद का वर्ग मूषक है तथा ज्ंदलं डींरंद का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छर्पोंदज डींरंद और ज्ंदलं डींरंद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छर्पोंदज डींरंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल छर्पोंदज डींरंद कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ंदलं डींरंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ंदलं डींरंद कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ज्दलं डींरंद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छर्पोंदज डींरंद तथा ज्दलं डींरंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।